बी.एम.ए.एफ.–001

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य

(जुलाई, 2018 एवं जनवरी, 2019 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : बी.एम.ए.एफ.–001
मैथिलीमे आधार पाठ्यक्रम

मानविकी विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली – 110 068

Scanned by CamScanner

मैथिलीमे आधार पाठ्यक्रम

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम : बी.एम.ए.एफ–001/, 2018-19

प्रिय छात्र/छात्रागण,

'कार्यक्रम दर्शिका'में कहल गेल अछि जे अहाँकेँ 4 क्रेडिटक पाठ्यक्रममे एक सत्रीय कार्य करऽ पड़त। एहि निर्णयक अनुसार मैथिलीमे आधार पाठ्यक्रम बी.एम.ए.एफ.–001क खाली एक सत्रीय काज अहाँकेँ करबाक अछि। ई सत्रीय कार्य थिक। सत्रीय कार्यक हेतु 100 अंक निर्धारित कयल गेल छैक। ई सत्रीय कार्य खंड 1 सँ 4 पर आधारित रहत।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्यक मुख्य उद्देश्य ई जाँचब थिक जे अहाँ पाठ्यसामग्रीकेँ कतेक बुझि सकलिऐक अछि तथा अहाँ स्वयं ओकरा अपन शब्दमे कोना प्रस्तुत कऽ सकैत छी। कहबाक आशय ई अछि जे अहाँ जे–किछु सीखि सकलहुँ तकरा स्पष्ट रूपेँ आलोचनात्मक ढंगसँ प्रस्तुत कऽ सकी।

एहि पाठ्यक्रमक उद्देश्य भाषाक विभिन्न कौशलक विकास करब थिक। ई कौशल थिक– सुनिकऽ बुझब, पढ़ब, बाजब आ लिखब। एहि लेल भाषाक आधारभूत तत्त्वपर अधिकार चाही। भाषा सिखबाक एक उद्देश्य ईहो थिक जे अहाँ ओहि माध्यमसँ विचारक आदान–प्रदान कऽ सकी, विविध विषयकेँ पढ़ि ओकरा बुझि सकी, अपन शब्दमे ओकरा व्यक्त कऽ सकी तथा साहित्य पढ़िकऽ ओकर रसक स्वाद लऽ सकी।

सत्रीय कार्यसँ अहाँ ई बुझि सकब जे अहाँकेँ मैथिली भाषा ओ तिरहुता लिपिक व्यावहारिक उपयोगमे कतेक दक्षता प्राप्त भेल अछि।

निर्देश:– सत्रीय कार्य आरंभ करबासँ पूर्व निम्नलिखित बातकेँ ध्यानसँ पढ़ी :

1) ऐच्छिक पाठ्यक्रम हेतु कार्यक्रम दर्शिकामे देल गेल विस्तृत निर्देशक सावधानीपूर्वक अध्ययन करी।
2) अपन उत्तर पुस्तिकाक पहिल पृष्ठक दहिना सीरपर अनुक्रमांक, अपन नाम, पूरा पता तथा दिनांक लिखब।
3) अपन उत्तर पुस्तिकाक पहिल पृष्ठक मध्य भागमे पाठ्यक्रम शीर्षक, सत्रीय कार्यसंख्या तथा अपन अध्ययन केन्द्रक उल्लेख करब।
4) उत्तर पुस्तिकाक पहिल पृष्ठ एहि प्रकारेँ आरंभ होयत:

अनुक्रमांक : .....
नाम : .....
पता : .....
.....
दिनांक : .....

पाठ्यक्रमक नाम/कोड : .....
सत्रीय कार्य कोड : .....
अध्ययन केन्द्रक नाम/कोड : .....

---

5) उत्तर लेल केवल फुलस्केप आकारक कागजक प्रयोग करी आ ओकरा नीक जकाँ बान्हि ली।
6) प्रत्येक उत्तर लिखबाक पूर्व प्रश्नसंख्या अवश्य लिखी एवं उत्तर स्वयं (अपन अक्षरमे) लिखी।
7) सत्रीय कार्य पूर्ण कऽ ओकरा परीक्षण लेल अपन अध्ययन केन्द्रक संयोजक (Co-ordinator) लग निर्धारित तिथि धरि अवश्य जमा कऽ दी।

सत्रीय कार्य जमा करबाक अन्तिम तिथि :

जुलाइ, 2018 सत्रक हेतु : 31 मार्च, 2019
जनवरी, 2019 सत्रक हेतु : 30 सितम्बर, 2019

सत्रीय कार्य लेल आवश्यक निर्देश

1) सत्रीय कार्यक सम्बन्ध खंड 1 सँ 4 धरि अछि। एहिमे विविध ढंगक प्रश्न पुछल गेल अछि, जकर उद्देश्य भाषा आ तिरहुता लिपिक आधारभूत तत्त्वपर अहाँक लेखन–क्षमताकेँ जाँचब थिक। किछु प्रश्नक उत्तर संक्षेपमे देबाक अछि।

Scanned by CamScanner

2) एहि सत्रीय कार्यमे किछु निबन्धात्मक प्रश्न अछि, जकर उत्तर पठित इकाइक आधारपर अहाँकेँ निर्धारित शब्दमे देबाक अछि। दूटा प्रश्न देल गेल अवतरणक सप्रसंग व्याख्यापर आधारित अछि तथा एक गोट आन प्रश्नमे अहाँकेँ टिप्पणी लिखबाक अछि। एक प्रश्न देवाक्षरसँ मिथिलाक्षर (तिरहुता)मे लिप्यन्तरणक अछि। किछु लोकोक्ति आ मुहाविराक वाक्यमे प्रयोग, किछु व्याकरणक प्रश्न , तहिना समाचार–लेखन एवं भाषण–शैलीपर प्रश्न अछि। भाव–पल्लवनपर सेहो प्रश्न पुछल गेल अछि। एहि प्रकारक प्रश्नसँ एक दिस अहाँक साहित्यिक ज्ञान विकसित होयत तँ दोसर दिस अहाँ शुद्ध मैथिली लिखब सेहो सिखब। मैथिलीमे एकटा समस्या छैक वर्तनीक। अहाँ कोनो वर्तनी अपना सकैत छी, मुदा जे वर्तनी अपनायी, ताहिमे एकरूपता राखब आवश्यक अछि।

उत्तरक हेतु अहाँ निम्नलिखित विधिसँ तैयारी करब तँ बेसी लाभ होयत।

1) सर्वप्रथम सत्रीय कार्यकेँ ध्यानसँ पढ़ू। तकर बाद एहिसँ सम्बन्धित इकाइक अध्ययन करू। तखन प्रश्नक हिसाबेँ किछु खास बात टीपि लियऽ , पश्चात् ओकरा क्रमबद्ध आ तार्किक ढंगसँ व्यवस्थित करू।

2) **अभ्यास :** उत्तरक प्रारूप लिखबाक पहिने जे विषय अहाँ टिपने छी, ताहिपर विचार करू। अनावश्यक अंशकेँ छाँटि दियौक, बचलाहा प्रत्येक बिन्दुपर विस्तारसँ विचार करू। सन्दर्भ आ व्याख्यावला प्रश्नमे पहिने ई अवश्य जाँचि ली जे जे बात सन्दर्भमे कहल गेल छैक, से देल गेल वाक्यांशक अनुरूप छैक की नहि। व्याख्यामे क्रमबद्धता, तार्किकता आ स्पष्टता रहब जरूरी अछि। व्याकरण–सम्बन्धी प्रश्न अथवा जकर उत्तर एक–दू शब्द वा पाँतीमे देबाक अछि, ओतऽ अपन उत्तरकेँ दू–तीन बेर देखिकऽ आश्वस्त भऽ जाउ। जँ अन्दाजसँ अथवा कोनो दोसर स्रोतसँ उत्तर देब तँ लाभ नहि होयत । टिप्पणीपरक प्रश्नमे आरम्भ आ उपसंहारपर विशेष ध्यान राखी। दीर्घ उत्तरकेँ तीन भागमे बाँटिकऽ लिखी। आरम्भमे प्रश्नक संक्षिप्त व्याख्या आ उत्तरक दिशा–संकेत रहय, मध्य भागमे उत्तरक प्रत्येक बिन्दुकेँ क्रमबद्ध आ तार्किक ढंगसँ प्रस्तुत करी, उपसंहारमे उत्तरक सार दी।

ई सुनिश्चित कऽ ली जे –

(क) अहाँक उत्तर तार्किक आ सुसंगत हो,

(ख) वाक्य आ अनुच्छेदक बीच क्रमबद्धता हो,

(ग) उत्तर सही ढंगसँ लिखल गेल हो, जाहिमे अहाँक अभिव्यक्ति–कौशल आ शैली झलकय,

(घ) जतबा शब्दमे उत्तर देबा लेल कहल जाय, ताहिसँ बेसी शब्द नहि हो,

(ङ) मिथिलाक्षर (तिर..ा) लेखनपर विशेष ध्यान दी,

(च) लेखनमे भाषागत त्रुटि, विशेषतः व्याकरण आ हिज्जेक गलती नहि होयबाक चाही।

3) **प्रस्तुति :** अपन उत्तरसँ पूर्णरूपेँ सन्तुष्ट भेलाक बादे ओकरा साफ आ सुन्दर अक्षरमे उत्तरपुस्तिकामे लिखी। जाहि बातपर अहाँ विशेष रूपसँ ध्यान आकृष्ट करऽ चाहैत छी, तकरा रेखांकित कऽ दी।

4) **विशेष :** अपन उत्तरक फोटो प्रति/ कार्बन प्रति अपना लग अवश्य राखि ली।

शुभकामना सहित।

नोट : स्मरण राखि जे विश्वविद्यालयक नव नियमानुसार परीक्षामे बैसबासँ पूर्व सत्रीय कार्य जमा करब अनिवार्य अछि, अन्यथा अहाँकेँ परीक्षामे बैसबाक अनुमति नहि देल जायत।

मैथिलीक आधार पाठ्यक्रम
सत्रीय कार्य
खंड 1 सँ 4 पर आधारित

सत्रीय कोड : बी.एम.ए.एफ.–001/ 2018-19

कुल अंक : 100

सभ प्रश्नक उत्तर दियऽ।

1. निम्नलिखित वाक्यमेसँ सही (✓) आ गलत (✗) चिह्न द्वारा स्पष्ट करू जे कोन वाक्य सही

Scanned by CamScanner

आ कोन वाक्य गलत अछि ? 5

(क) काछु प्राकृत शब्द थिक।
(ख) परिवार समाजक एक आधारभूत इकाइ नहि थिक।
(ग) काशीकान्त मिश्र 'मधुप'क मानद उपाधि कविचूड़ामणि थिकनि।
(घ) भाव–पल्लवनक मूलमे संक्षेपणक प्रवृत्ति काज करैत अछि।
(ङ) समाचारक सम्पादनमे तथ्यक रक्षा करब आवश्यक नहि।

2. निम्नलिखित शब्दक शुद्ध रूप लिखू – 5

(क) प्रसंशा
(ख) श्रृंगार
(ग) मश्तिस्क
(घ) अस्लिल
(ङ) वरेन्य

3. निम्नलिखित शब्दमे उपसर्ग निर्दिष्ट करू – 5

(क) प्रहार
(ख) अनाथ
(ग) पराभव
(घ) अनुदार
(ङ) विकार

4. निम्नांकित शब्दमे प्रत्यय देखाउ – 5

(क) चौड़ाइ
(ख) मोटगर
(ग) आज्ञाकारी
(घ) मलाहिन
(ङ) सुखद

5 एहि लोकोक्ति आ मोहाविरा सभक वाक्यमे प्रयोग करू – 5

(क) जकर लाठी तकर महीस
(ख) डुमरीक फूल होयब
(ग) ने तीनमे ने तेरहमे
(घ) भण्डा फूटब
(ङ) हाथ मलब

Scanned by CamScanner

6. निम्नलिखित प्रश्नक उत्तर एक–एक सय शब्दमे लिखू – 10

(क) देवनागरी आ तिरहुता
(ख) विद्यापति
(ग) संक्षेपण आ भावपल्लवनक महत्त्व
(घ) कला की थिक ?

7. निम्नांकित कोनो एकपर तीन सय शब्दमे निबन्ध लिखू। 10

(क) पाबनि–तिहार
(ख) तिरहुता सिखबाक प्रयोजन
(ग) अनुवादक महत्त्व
(घ) विज्ञानक भाषा

8. निम्नलिखित प्रश्नक उत्तर दू–दू सय शब्दमे लिखू। 10x 2= 20

(क) 'चुट्टीसँ' कविताक भाव स्पष्ट करू।
(ख) 'हथटुट्टा कुरसी'क प्रतिपाद्य विषयकेँ बुझाउ।

9. एहि पद्यांशक सप्रसंग व्याख्या करू – 10

प्रथमहि संकर सासुर गेला ।
बिनु परिचय उपहास पड़ला ।।
पुछिओ न पुछलक बैसलाह जहाँ।
निरधन आदर के क्र कहाँ ।।

अथवा

नोत–पिहानी पुरी वा पाहुन–परक आबि जँ जाथि ,
भार–दोर दी वा कोनहुना घरपर दू जन खाथि ।
इज्जति टा रहि जाय, करब तेहने सब स्वार्थ–परार्थ,
मुदा आइ धरि के बुझलक जे इज्जति कोन पदार्थ ?

10. निम्नलिखित अवतरणक सन्दर्भ सहित व्याख्या करू – 10

एक दिन सम्पूर्ण गामक लोक आँखि खोलिकऽ देखि लेलन्हि जे नारी–समाजक सामूहिक शक्ति केहन होइ छैक। विमला देवीक नेतृत्वमे गामक समस्त बेटी–पुतोहु आँचर कसने श्रमदान द्वारा महिला–पुस्तकालयक नेव देबय जा रहल छथि। बूढ़लोकनिक मुँह तेहन भऽ गेलैन्ह जेना केओ चिरैताक काढ़ा पिया देने होइन्ह। बुढ़ी लोकनिकेँ बुझा गेलनि जे आब जँतनाइ–पिचनाइ ओ ढील हेरनाइ गेल। किन्तु एहि प्रवाहकेँ रोकब असंभव छल।

Scanned by CamScanner

अथवा

एहि आँकुर सभ लेल आलोक चाही, जल चाही आ खाद चाही, से कोना प्राप्त होयतैक ? सभसँ पहिने समाजमे ई चेतना चाही जे आलोक, जल आ खादक अभावमे ई आँकुर सभ नष्ट भऽ जायत। उपयुक्त वातावरण नहि भेटने ओकर विकास नहि भऽ सकतैक।

11. निम्नांकित विषयपर संक्षिप्त टिप्पणी लिखू – 5 X 2= 10

(क) शब्दकोशक उपयोग
(ख) विज्ञानक भाषा

12. मिथिलाक्षरमे लिखू – 5

बहुत पुरान युगक कथा थिक। तहिया अपन देशक नाम भारत नहि पड़ल रहैक। तहिया गंगा–यमुनाक संग सरस्वती नदी सेहो बहैत रहैक। ताहि दिन एकोटा कतहु शहर नहि बसल रहैक, सभ ठाम गामे–गाम छलैक।

Scanned by CamScanner